विश्व रेंजर दिवस 2024

[स्रोत: इंटरनेशनल रेंजर फेडरेशन](#)

प्रत्येक वर्ष **31 जुलाई** को मनाया जाने वाला विश्व रेंजर दिवस, **प्राकृतिक और सांस्कृतिक संपदा की रक्षा करने वाले रेंजरों के लिये समर्पित** है। यह दिन ड्यूटी के दौरान घायल हुए या वीरगति को प्राप्त हुए लोगों का स्मरण कराता है और संरक्षण प्रयासों में रेंजरों की महत्त्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

- **विश्व रेंजर दिवस- 2024 की थीम: '30×30'** जैव-विविधता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (COP15) **- 2022** के साथ संरेखित है, जो वर्ष 2030 तक **पृथ्वी पर कम से कम 30% भूमि और समुद्री क्षेत्रों को** संरक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित करता है।
- संरक्षण लक्ष्यों को प्राप्त करने, सुरक्षा, निगरानी, कानून प्रवर्तन और सामुदायिक समर्थन जैसे कार्यों को संभालने में रेंजर की भूमिका महत्त्वपूर्ण हैं।
    - **'30×30'** लक्ष्य को पूरा करने के लिये रेंजरों को पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षण की आवश्यकता है।
- पहला विश्व रेंजर दिवस वर्ष 2007 में **अंतर्राष्ट्रीय रेंजर फेडरेशन (IRF)** की स्थापना की 15वीं वर्षगांठ पर मनाया गया था। इसका गठन 31 जुलाई 1992 को हुआ था और विश्व रेंजर दिवस प्रत्येक वर्ष 31 जुलाई को मनाया जाता है।
- भारत में रेंजर्स, जिन्हें वन रक्षक या ग्रीन सोल्जर के रूप में भी जाना जाता है, भारत के किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के भीतर वन रेंज के वन, पर्यावरण और वन्यजीव-संबंधी मुद्दों के लिये ज़िम्मेदार हैं।

और पढ़ें: भारत के वन सीमांत क्षेत्र की सुरक्षा

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-ranger-day-2024